जितेन्द्र जैन

Pasingati Saily

तीर्थधाम मङ्गलायतन

धार्मिक पहेलियाँ

१. आतम ध्याना-आतम ध्याना,
आतम में रम जाना आतम ध्याना।
अष्ट कर्म की घनी घटा हो, रहता ये मस्ताना
— स्वभाव सम्यग्दृष्टि

२. तीन अक्षर का मेरा नाम अन्त कटे तो मैं ही सब हूँ।
मुझमें लोकालोक झलकते मैं हूँ अनन्त सुखों का धाम।।
— सर्वज्ञ

३. एक अक्षर का मेरा नाम मैं हूँ पञ्च प्रभु का धाम।
सब जन करते मेरा ध्यान पूरे जिनागम का है सार।। — ॐ

४. दो अक्षर का मेरा नाम रहता हूँ मैं हूँ के धाम।
काम-धाम से हूँ बेकाम सिद्ध शिला है मेरा धाम।। — सिद्ध

५. एक मनुष्य ऐसा देखा खाता है न पीता है।
लाखों वर्षों तक जीता है अमृत भी नहीं पीता है!!
— अरहन्त

६. चार अक्षर का मेरा नाम मुझको क्या दुनिया से काम।
ज्ञान-ध्यान का बस व्यापार मुक्ति पाने को तैयार।
दिखने में लगता कंगाल फिर भी मैं हूँ मालामाल।।
— मुनिराज

७. चार अक्षर का मेरा नाम पानी नहीं पर गंगा नाम।
हर कण में चेतन का नाम जीव नहीं पर जड़ का काम।
जो भी मेरा आश्रय लेता वह बन जाता है भगवान।।
— जिनवाणी

८. दो अक्षर का मेरा नाम बिना कमाये ही आराम।
नाम अमर है दूजा मेरा अमृत पीने का है काम।
फिर भी मैं मर जाता इक दिन, इससे मैं होता हैरान।।
— देव

९. चार अक्षर का मेरा नाम चेतन से मुझको क्या काम।
मुझसे प्रसिद्ध हुआ है राम, सारे जग में मेरा धाम।।
— पुद्गल

१०. दो अक्षर का मेरा नाम दो द्रव्यों के आता काम।
चलती दुनिया अपनी गति से फिर भी आता है मेरा नाम।।
— धर्मद्रव्य

११. तीन अक्षर का मेरा नाम पूरे लोक में मेरा धाम।
सारी दुनिया चलकर रुकती दुनिया कहती मेरा काम।।
— अधर्मद्रव्य

१२. तीन अक्षर का मेरा नाम, आता हूँ रहने के काम।
मुझसे बड़ा न जग में कोई, नाम बताओ मेरा कोई।
— आकाशद्रव्य

१३. दो अक्षर का मेरा नाम, स्थिर रहकर भी चलता हूँ।
आता सब द्रव्यों के काम, बोलो जल्दी मेरा नाम।।
— कालद्रव्य

१४. दो अक्षर का मेरा नाम, पाँच भाइयों का है बाप।
मुझको जो अपनाता है, वह नरकों में जाता है।। — पाप

१५. तीन अक्षर का मेरा नाम चारों गति में मेरा धाम।
उल्टी श्रद्धा मेरा काम मुझसे सारा जग हैरान।।
— मिथ्यात्व

१६. जो जीवों को दुःख देता है वह मुझको धारण करता है।
राग-द्वेष है मेरे भाई मुझसे यह दुनिया परमाई।।
— हिंसा

१७. सत्य रूप से मैं विपरीत अज्ञानी में मेरी जीत।
मैं ले जाता नरकों बीच मुझमें है पापों की कीच।। — झूठ

१८. सब लोगों का माल हड़पता सबको पहुँचाता मैं जेल।
सबकी बदनामी करवाता बतलाओ यह कैसा खेल।।
— चोरी

१९. मुझे चाहिए रुपया-पैसा बोलो मेरा रूप है कैसा।
तृष्णा देवी मेरी माता तीन लोक की सम्पत्ति खाता।।
— परिग्रह

२०. पांच अक्षर का मेरा नाम शुद्धात्म का मुझमें धाम।
कुन्दकुन्द का मुझमें नाम बोलो बच्चो मेरा नाम।।
— समयसार

२१. चार अक्षर का मेरा नाम छह खण्डों में मेरा धाम।
पूर्वार्ध में छह रह जाता मुझको गाते दौलतराम।
— छहढाला

२२. मैं सब को कस कर दुःख देती सबकी सुख शान्ति हर लेती।
मैं हूँ आकुलता की माता, मेरा नाम किसे है आता।।
— कषाय

२३. जिसके सिर पर मैं हूँ आता उसके होंठ, भुजा फड़काता।
जो मुझमें अन्धा हो जाता छोटा-बड़ा न उसे सुहाता।।
— क्रोध

२४. मेरा मस्तक सबसे ऊँचा बोलो बच्चो मेरा नाम।
मैं रावण को नरक ले गया सब लोगों में मेरा धाम।। — मान

२५. मुस्काती सूरत है मेरी मनमोहक है मूरत मेरी।
मैं सारे जग को ठगती हूँ दो अक्षर से वश करती हूँ।।
— माया

२६. छह अक्षर का मेरा नाम सबको मुक्तिमार्ग बताना।
कितना सुन्दर मेरा काम.
— दिव्यध्वनि

— प्रस्तुति : पण्डित अशोक लुहाड़िया, तीर्थधाम मङ्गलायतन

1. जिनको होता केवल ज्ञान, चार अक्षर में पाते नाम ।।
पहले दो अक्षर अर्घ गुजर, अंत के अक्षर राग यतत ।।

2. शब्द सुने से लगे जकड़, जैन तीर्थ है यड़ा सुघड़।
बुंदेलखण्ड में है स्थान, तीन अक्षर में पूरा नाम ।।

3. बुंदेलखण्ड का तीर्थ महान, तीन अक्षर का उसका नाम।
मुनिचर्या में नित्य प्रयोग, मिला है जिसे सिद्ध संयोग ।।

4. चार अक्षर का पूरा नाम, जिनमें है जिन भगवान।
पहले दो अक्षर करत शुरूआत, अंत के अक्षर स्वामी मात्र ।।

5. सीधा बोलो करें घमण्ड, उल्टा कर दो करे नमन ।
करूं इशारा दो अक्षर में ज्ञान, घुमा फिरा कर बनता नाम ।।

6. पाँच अक्षर का पूरा नाम, इष्ट वंदना अर्घ महान,
यदि काट दूं आदि अंत, बने शब्द वह वस्तु तुरंत ।।

7. तीन अक्षर मेरा नाम, उल्टा–सीधा एक समान ।
आता हूं झुकने के काम, बतलाओ बंधुओ मेरा नाम ।।

8. जैन धर्म में श्रेष्ठ विचार, दीन–दुखी पर रखना प्यार ।
उल्टा कर दूं होता याद ऐसा धर्म झुकाऊं माथ ।।

9. पांच अक्षर का पूरा नाम, विद्यासागर शिष्य महान।
अन्त के अक्षर जल भण्डार पहले दो अक्षर अमृतधार ।।

10. गंध–सुगंध का है भण्डार, हवन में डाले सब नर–नार ।
दस लक्षण में दसमीं सोय अति आवश्यकता उसकी होय ।।

11. दो अक्षर का ऐसा नाम, भरी क ममता पाप समान ।
उल्टाकर दो अच्छा सोह भलो जगत में सबको होय ।।

12. चार अक्षर का पूरा नाम, जैन तीर्थ है बड़ा महान ।
दो अक्षर में पर्वत जाएं, शेष अक्षर में नारी भाए ।।

13. चार अक्षर का पूरा नाम, आठ दिवस तक चले विधान ।
कोढ़ी राजा हुआ था ठीक बतलाओ बंधुओ सुझो लीक ।।

14. साढ़े तीन अक्षर का मेरा नाम, खुशबू ठंडक मेरा काम ।
आता है पूजा में काम या रूपे में लूं विश्राम ।।

15. पांच अक्षर का नाम अनूप, सब कोई देखें प्रभु का रूप ।
मध्य कटे से शब्द है दो पानी परजय उनसे लो ।।

उत्तर :– 1. वीतराग 2. चंपाजी 3. अहारजी 4. आदिनाथ 5. मान
6. देवस्तुति 7. नमन 8. दया 9. सुधासागर 10. धूप
11. लोभ 12. गिरनार 13. सिद्धचक्र 14. चंदन 15. जल विहार

16. 500 धनुष की काया पायें, अनंतनाथ पीछे वीर लगाये ।
भविष्य में होके नाम कमाये. हम सब उनको नमन कराएं ।।

17. पूजन में हम रोज चढ़ावें मोह मय अंध सब मिट जावे ।
मेरी पहेली अद्भुत न्यारी लगती सबको अति ही प्यारी ।।

18. चार करम से दूर रहे थे, चार करम से पास रहे थे ।
रोटी पानी कभी न खाते, हम सब उनकी महिमा गाते ।।

19. सर्प देख वैराग्य धरा था, मेंढक जिसके मुंह में फंसा था ।
शांति भक्ति रचाने वाले चरण कमल से पूज्य हुआ था ।।

20. सीमंधर के पास गये थे, जिनके अनुभव सभी नये थे ।
जो अध्यात्म ध्वजा के धारी, जिनने महान शास्त्र रचे थे ।।

21. भूख प्यास का नाम नहीं है, राग द्वेष का काम नहीं ।
परमौदारिक काय तुम्हारी, रहे जगत और धाम कहीं हैं ।।

22. जिसको देकर मिले स्वयं पथ, जिसको लेकर मिले नरक पथ।
नाम बताओ तो सब जाने, सही बताओ ईनाम पावे ।।

23. प्रथम राष्ट्रीय संत कहावे, महिमा उनकी हम सब गावे।
राऊय के वो थे रहने वाले, हम भी खोलें मन के ताले ।।

24. सिद्ध प्रभु की भक्ति करावे, घर में रह कर विरक्ति दिखावे।
अन्तर्मुहूर्त में केवलज्ञान जो पावे, ऐसे विरागी का नाम बताओ ।।

25. महिमा जिनकी खूब सुनी है, मित्रता की मिशाल बड़ी है।
तुंगीगिरि से मोक्ष पधारे, उस मानस का नाम बताओ ।।

26. ज्ञान ध्यान में महान कहाते, समता रस में लीन है रहते।
तेरा सौ एक उनकी कृति है ऐसे गुरु का नाम बताओ ।।

27. राक्षसवंश में जो जन्मे थे, नित्य पूजन का नियम लिये थे।
चूलगिरि से मोक्ष पधारे, ऐसे सुत का नाम का नाम बताओ ।।

28. ऐलक जी एक नगर में आये, दीक्षा का जब भाव जगाये।
बिना गुरु के दीक्षा पाये मेघ गरज धरती पर आये ।।

29. स्याद्वाद की वो निशानी, चिदानन्द की है रजधानी।
अनेकान्त का रूप बखानो, अगर तेरी जग में है कहानी ।।

30. स्वर्ग से चलकर देव जो आये, विद्याधर नाग का रूप बनाये।
लेने परीक्षा वीर की वो आये, वर्धमान तो न घबराये ।।

उत्तर :– 16. अनंतवीर 17. दीपक 18. अरिहन्त 19. आचार्य पूज्यपाद
20. कुन्दकुन्दाचार्य 21. अरिहंतभगवान 22. दान 23. आ.विद्यानन्दि
24. भरत चक्री 25. सुग्रीव 26. आचार्य विद्यासागर 27. कुम्भकर्ण
28. आचार्य माघनन्दि 29. जिनवाणी 30. संगम देव

...का देख विरक्ति पावे।
कुथलगिरि से मोक्ष पधारे, हम भी उनकी भक्ति रचावें ।।
32. दो–दो केवली मोक्ष पधारे, बुंदेलखण्ड की शान बढावे।
ढूँढ के उत्तर जल्दी बतावे, जिला टीकमगढ़ में ही कहावे ।।
33. एलाचार्य भी जो कहावे, गिद्ध पिच्छाचार्य बताते।
अष्टपाहुड भी उनकी कृति है, महिमा उनकी खूब सुनी है।
34. ऐसे गुरु का नाम बताओ, उनका अतिशय सबको बताओ।
पिण्डी फटी और प्रभुजी प्रगटे, भस्म व्याधि से जो थे जकडे ।।
35. एक सती थी चंदनबाला सेठानी ने कैद में डाला,
नाम बताओ सेठानी का जिसने चंदन सती को सताया ।।
36. सासु जी ने घर से निकाला पिता जी ने भी मुख का मुडाया।
22 बरस तक वियोग, न जाने यह कौन संयोग ।।
37. काशी नगरी की बात सुनाता, भूख ने उनको बहुत सताया।
पाखंडी का भण्डा फोडें नाम तो उनका थोड़ा जोडे ।।
38. विष भी अमृत जिसने किया था, विषापहार स्तोत्र रचा था।
बेटे को जो तुरंत उठाया, भक्ति में मन जो खूब लगाया ।।
39. भूप ने उनको पीडा पहुँचाई, उनने भक्ति प्रभु की गाई।
देवो ने भी महिमा रचाई, ताले टूटे सभी दिखाई ।।
40. भर्तृहरि के भाई बतावे, जैनों में जैनाचार्य कहाये।
श्रेणिक चरित्र के वो लेखक, उनको देखत हम सब ध्यावत ।।
41. द्वारिका नगरी जिसने बसाई, मुनि ने नगरी फिर वो मिटाई ।।
महापुरुष में नाम जो आवे, लीला में जो उपमा पावें।
42. मेरा तीरथ सबसे प्यारा, राजस्थान में जो है न्यारा
अतिशय क्षेत्र महान कहावे, माधोपुर के जिला में आवे ।।
43. ऐसे पेस्ट का नाम बताओ जिससे कभी न कोई गुजरा
बना हुआ हड्डी का है जो रंग है जिसका उजला – उजला ।।
44. ऐसे सोप का नाम बताओ, हिन्दुस्तान का बेटा है जो।
देह है जिसकी रक्त वर्ण की, भरी हुई है जिससे चर्बी ।।
45. कौन सा पॉलिस है वह जिसके बनने में कई बंदर कटते
उस पॉलिस का नाम बताओ नाम बताकर शिक्षा पाओ ।।
उत्तर :–31. कुलभूषण, देशभूषण 32. आहारजी 33. कुन्दकुन्दाचार्य
34. समंतभद्र 35. अलका(सुभद्रा) 36. अंजना 37. समंतभद्र
38. धनंजय 39. आचार्य मानतुंग 40. शुभचंद्राचार्य 41. श्री कृष्ण
42. महावीर 43. कोलगेट 44. लाइफबॉय 45. नेल पॉलिस

...कुमार जैन ...

46. बिल्ली का रज वीर्य है डलता कीड़ों का रस जिसमें मिलता।
दसों मुने दामों पर मिलता जो भी लगाये घमंडी मलता ।।
47. पर्स, बैल्ट और जूते चप्पल बेल्ट और ब्रॉसर या निकले
जिन्दा पशुओं को कटवावें किससे बनता नाम बतायें ।।
48. जिसमें है कोई रस ना, उसके चक्कर में मत फंसना।
टी.वी वाले बनाये बुद्धु, लेकिन उसका स्वाद न चखना ।।
49. मौत का है पैगाम हूं लाती खुद भी जलती तुम्हें जलाती।
धुएं में तेरे निकोटीन है बोलो तो मैं क्या कहलाती ।।
50. दादा जी का हूं मैं कलेजा, ब्रेकिंग फस्टड से मैं बनता।
छुरी मारकर काटे मुझको भोज मनाये खायें मुझको ।।
51. पीने में वह ठंडी लगती लेकिन सुअर के कफ से बनती।
कार्बोहाइड्रेट मिला हुआ है माल विदेशी कहा हुआ है ।।
52. जन्म दिवस पर काम में आवी लेकिन औषध से है आती।
जो भी खाये दांत सडाये बेचने वाला मौज उडाये ।।
53. एक अंग का ज्ञान यहां था, दीक्षा अपना छेद लिया था।
बिल्ली को जो बचाने वाले धार्मिक व्याख्यान किया था।
54. अंत समय णमोकार सुनाया, कुत्ते को भी देव बनाया।
काया सुंदर चरम-शरीरी, थे वैरागी आप सुधीरी ।।
55. रावण दूर-दूर कर आया, विमानवासी चल न पाया।
पर्वत पर मुनि बालि विराजे, उस पर्वत का नाम बताएं ।।
56. तोता क्यों रोता तू जग में, लिखने वाले मुक्ति मग
मूकमाटी के लेखक है वो नाम बताओ श्रेष्ठ जगत में ।।
57. ऐसे इन्द्र का नाम बताओ चार पैर अरु पूंछ दिखाओ।
शत इन्द्रों में आने वाला इन्द्र की शोभा पाने वाला ।।
58. जन्म से निर्ग्रन्थ भेषादि दिखया, 11 वर्ष में मुनिपद पाये
ऐसे सूरि का नाम बताओ उसका उत्तर ढूंढ के लाओ ।।
59. जिनेन्द्र वर्णी एक कहावें क्षुल्लक पद की पदवी पावें.
उनके अन्दर न थी व्याधि कहाँ हुई थी उनकी समाधि ।।
60. आठ गुणों को प्राप्त किया है, निराकार पद धार लिया है।
अब न उनको आना भव में लीन रहे निज चेतन दृग में।
उत्तर :–46. क्रीम 47. चमडा 48. रसना 49. सिगरेट 50. केक
51. पेप्सी 52. टॉफी 53. आचार्य माघनन्दि 54. जीवन्धर कुमार
55. कैलाश पर्वत 56. आचार्य विद्यासागर 57. सिंह 58. आचार्य ...
59. ईसरी 60. सिद्ध ...